Hindi Murli Quiz 09-04-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **"मन को प्रभु की अमानत समझकर उसे सदा ---------- में लगाओ, शुभचिंतन करो।"**
[एक सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. मनन-चिन्तन
B. व्यवसाय
C. भजन-कीर्तन
D. श्रेष्ठ-कार्य

Q.2) **सभी सही वाक्यों का चयन करें------**

A. भगवान आये हैं राजयोग सिखला रहे हैं, भगवान में निश्चय हो तो वर्सा लेने लग पड़ें, फिर भक्ति भी उड़ जाए ।
B. अभी यह नाटक पूरा होता है। पुरानी दुनिया से वैराग्य होना चाहिए, बुद्धियोग शान्तिधाम-सुखधाम में रहे।
C. बाप कहते हैं अपना कल्याण करने के लिए दैवीगुण धारण करो ।
D. लॉ कहता है पिछाड़ी में शिवबाबा की याद में ही शरीर छोड़ना है। कहाँ भी आसक्ति न हो। यह प्रैक्टिस करनी होती है ।
E. आत्मा अपना मित्र है, अपना ही शत्रु है।

Q.3) **"भक्त लोग कृष्ण पर कितना न्योछावर जाते हैं। अभी तुमको बाप पर न्योछावर होना है। पहले-पहले शुरू में शिवबाबा पर कितने न्योछावर हुए। ढेर के ढेर आये। जब इन्डिया में आये तो बहुतों को अपना घरबार याद पड़ने लगा। कितने चले गये। ग्रहचारी तो बहुतों पर आती है ना। कभी कैसी दशा, कभी कैसी दशा बैठती है।"**

A. True
B. False

Q.4) **"यहाँ के राजाओं को इतने दास-दासियाँ हैं, तो सतयुग में कितने ढेर होंगे। सब पर अलग-अलग अपनी चार्ज होती है। रहने का स्थान अलग होगा। वह कोई राजा-रानी जैसे सजाया हुआ नहीं होगा। जैसे सर्वेन्ट क्वार्टर्स होते हैं ना। अन्दर आयेंगे जरूर परन्तु रहते सर्वेन्ट क्वार्टर्स में हैं। तो बाप समझाते हैं अपने पर रहम करो और ऊंचे ते ऊँचा बनो ।"**

A. True
B. False

Q.5) **"मीठे बच्चे -अभी तुम ---------बनने का पुरूषार्थ करते हो, ---------हैं देवतायें, क्योंकि वह हैं पावन, तुम पावन बन रहे हो ।"**
[एक सबसे सटीक उत्तर से दोनों रिक्त स्थान भरें]

A. पुरुषोत्तम
B. ब्रह्मण
C. फरिश्ता

Q.6) **वरदान पर आधारित इस मैचिंग एक्सरसाइज बहुत ध्यान से करें ---**

	Choice	Match
A	सन्तुष्टता की निशानी --	प्रत्यक्ष रूप में प्रसन्नता दिखाई देगी।
B	जो सदा सन्तुष्ट वा प्रसन्न रहते हैं --	उनकी सब प्रशन्सा करते हैं।
C	सदा सन्तुष्ट और प्रसन्न रहने का विशेष वरदान -	स्वयं भी लो और औरों को भी दो ।
D	इस यज्ञ की अन्तिम आहुति-	सर्व ब्राह्मणों की सदा प्रसन्नता है।
E	जब सभी सदा प्रसन्न रहेंगे,	तब प्रत्यक्षता का आवाज गूंजेगा ।

Q.7) **"----------जो होंगे वह राजा-रानी बनेंगे,----------कम पद पायेंगे। साहूकारों में भी ----------और ---------- होंगे। दास-दासियों में भी ----------और ---------- होंगे। सीनियर वालों का दर्जा ऊंच होता है। झाड़ू लगाने वाली दासी को कभी अन्दर महल में आने का हुक्म नहीं रहता।"**
[निम्नलिखित जोड़ों में एक सबसे सटीक जोड़ा चयन करके तीन रिक्त स्थान के जोड़े भरें]

A. सीनियर-जूनियर
B. जूनियर-सीनियर
C. जूनियर-जूनियर
D. सीनियर-सीनियर

Q.8) **आज की धारणा के आधार पर केवल सही वाक्य ही चयन करें --**

- **A.** ☑ देवता बनने के लिए बहुत रॉयल संस्कार धारण करने हैं।
- **B.** ☑ सबके साथ बहुत प्यार से चलना है।
- **C.** ☐ अपने से जो जूनियर हैं, उनके साथ रौब में रहना है ।
- **D.** ☑ अपना कल्याण करने के लिए दैवीगुण धारण करने हैं।
- **E.** ☑ खान-पान बहुत शुद्ध और साधारण रखना है। लालच नहीं करनी है।

Q.9) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही जोड़ें ---**

	Choice	Match
A	तुम भण्डारे में भी योग में रहकर भोजन बनाओ,	तो बहुतों का कल्याण भरा हुआ है।
B	तुम्हें जरूर दैवीगुण धारण करने हैं।	तुम्हारा खान पान बोल चाल बहुत रॉयल होना चाहिए।
C	36 प्रकार के भोजन बनते हैं, फिर भी देवतायें खाते थोड़ा हैं ।	खान-पान की लालच रखना भी आसुरी चलन कहा जाता है।
D	अच्छी रीति पढ़ेंगे, पढ़ायेंगे तो तुमको ही इज़ाफा मिलेगा।	बाप नहीं देते हैं, तुम अपने पुरूषार्थ से पाते हो।
E	महारथी बच्चों का रिगार्ड रखो।	रिगार्ड नहीं रखते तो अपने ऊपर पाप का बोझा चढ़ाते हैं।

Q.10) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice	Match
A	हम सब किचड़े के डिब्बे में पड़े हुए थे,	बाप ने आकर उस किचड़े से निकाल एडाप्ट किया है ।
B	अभी हमको परमात्मा ने शूद्र से ब्राह्मण बनाया है।	कल्प-कल्प, कल्प के संगमयुगे हम ब्राह्मण बनते हैं।
C	ब्राह्मणों को पुरूषोत्तम नहीं कहेंगे।	ब्राह्मण यहाँ पुरूषार्थ करते हैं पुरूषोत्तम [देवता] बनने के लिए।
D	यह है तुम्हारा अमूल्य जीवन,	क्योंकि तुम ईश्वरीय सन्तान हो।
E	जो नई दुनिया में ऊंच पद पाने वाले हैं,	वह कभी अपना आसुरी स्वभाव नहीं दिखायेंगे।